

उत्तराखण्ड शासन

गृह अनुभाग-7

संख्या: 181/XX-7/2019-01(63)2016

देहरादून दिनांक 12 फरवरी, 2019

अभिसूचना

प्रकीर्ण

राज्यपाल, उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम, 2007 (अधिनियम संख्या: 1, वर्ष 2008) की धारा 87 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए उत्तराखण्ड पुलिस आरक्षी तथा मुख्य आरक्षी (नागरिक पुलिस, अभिसूचना एवं सशस्त्र पुलिस) सेवा नियमावली, 2018 में संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तराखण्ड पुलिस आरक्षी तथा मुख्य आरक्षी (नागरिक पुलिस, अभिसूचना एवं सशस्त्र पुलिस)(संशोधन) सेवा नियमावली, 2019

संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ

1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड पुलिस आरक्षी तथा मुख्य आरक्षी (नागरिक पुलिस, अभिसूचना एवं सशस्त्र पुलिस)(संशोधन) सेवा नियमावली, 2019 है।  
(2) यह उत्तराखण्ड राज्य में नियुक्त समस्त पुलिस आरक्षी तथा मुख्य आरक्षी (नागरिक पुलिस, अभिसूचना) एवं आरक्षी सशस्त्र पुलिस पर लागू होगी।  
(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

नियम 24 का संशोधन

2. उत्तराखण्ड पुलिस आरक्षी तथा मुख्य आरक्षी (नागरिक पुलिस, अभिसूचना एवं सशस्त्र पुलिस) सेवा नियमावली 2018(जिसे यहाँ आगे मूल नियमावली कहा गया है) के नियम 24 के भाग (ग) को विलोपित कर दिया जायेगा।

परिशिष्ट-6 का संशोधन

3. मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान परिशिष्ट-6 प्रस्तर-1, प्रस्तर-5, प्रस्तर-8(र)के भाग (ग) एवं प्रस्तर-11 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया परिशिष्ट रख दिया जायेगा, अर्थात:-

स्तम्भ-1

विद्यमान परिशिष्ट

प्रस्तर-1 "आरक्षी नागरिक पुलिस /अभिसूचना एवं आरक्षी सशस्त्र पुलिस के कर्मी मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस /अभिसूचना प्रवेशार्थ प्रान्तीय योग्यता परीक्षा में सम्मिलित होंगे एवं विकल्प के

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित परिशिष्ट

प्रस्तर-1 आरक्षी नागरिक पुलिस/अभिसूचना एवं आरक्षी सशस्त्र पुलिस के कर्मी मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस/अभिसूचना प्रवेशार्थ प्रान्तीय योग्यता परीक्षा में सम्मिलित होंगे एवं कार्मिक द्वारा चुने गये संवर्ग विकल्प/पद की उपलब्धता के अनुसार प्रवीणता क्रम में, आवंटित संवर्ग में पदोन्नति अनुमन्य होगी।

६९

आधार पर संवर्ग अनुमन्य किया जायेगा। सशस्त्र पुलिस के आरक्षी, जिन्होंने मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस पदोन्नति पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर लिया हो, इस परीक्षा में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।

**प्रस्तर-5** " सेवाभिलेख विगत 05 वर्षों का संतोषजनक हो, अर्थात् प्रतिकूल वार्षिक मंतव्य अंकित न हो, विगत 05 वर्षों में कभी सत्यनिष्ठा न रोकी गई हो।

**प्रस्तर-8(4)(ग)** विगत 05 वर्षों से पूर्व के प्रत्येक छुद्र दण्ड पर 01 अंक की कटौती होगी।

**प्रस्तर-11** निर्धारित आधारभूत प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले कर्मियों को मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस एवं अभिसूचना के पद पर पदोन्नति प्रदान किये जाने विषयक आदेश नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्गत किये जायेंगे। अभिसूचना विभाग से चयनित कार्मिकों को मुख्य आरक्षी अभिसूचना के पद पर पदोन्नति प्रदान की जायेगी।

**परिशिष्ट-7 का संशोधन**

#### स्तम्भ-1

##### विद्यमान परिशिष्ट

**प्रस्तर-5** " सेवाभिलेख विगत 05 वर्षों का संतोषजनक हो, अर्थात् प्रतिकूल वार्षिक मंतव्य अंकित न हो, विगत 05 वर्षों में कभी सत्यनिष्ठा न रोकी गई हो।

**प्रस्तर-9(ग)** विगत 05 वर्षों से पूर्व के प्रत्येक छुद्र दण्ड पर 01 अंक की कटौती होगी।

सशस्त्र पुलिस के आरक्षी, जिन्होंने मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस पदोन्नति पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर लिया हो, इस परीक्षा में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।

**प्रस्तर-5** सेवाभिलेख विगत 05 वर्षों का संतोषजनक हो, अर्थात् प्रतिकूल वार्षिक मंतव्य अंकित न हो, विगत 05 वर्षों में कभी सत्यनिष्ठा न रोकी गई हो, विगत 05 वर्षों में कोई दीर्घ दण्ड अथवा लघु दण्ड न मिला हो।

**प्रस्तर-8(4)(ग)** विलोपित

**प्रस्तर-11** निर्धारित आधारभूत प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले कर्मियों को मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस एवं अभिसूचना के पद पर पदोन्नति प्रदान किये जाने विषयक आदेश नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्गत किये जायेंगे।

4. मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान परिशिष्ट-7 के प्रस्तर 5 एवं 9 के भाग (ग) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया परिशिष्ट रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

#### स्तम्भ-2

##### एतद्वारा प्रतिस्थापित परिशिष्ट

**प्रस्तर-5** सेवाभिलेख विगत 05 वर्षों का संतोषजनक हो, अर्थात् प्रतिकूल वार्षिक मंतव्य अंकित न हो, विगत 05 वर्षों में कभी सत्यनिष्ठा न रोकी गई हो, विगत 05 वर्षों में कोई दीर्घ दण्ड अथवा लघु दण्ड न मिला हो।

**प्रस्तर-9(ग)** विलोपित

**परिशिष्ट-8 का संशोधन**

5. मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान परिशिष्ट-8 के प्रस्तर-3 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया परिशिष्ट रख दिया जायेगा, अर्थात:-

**स्तम्भ-1**

**विद्यमान परिशिष्ट**

प्रस्तर-3 "सेवाभिलेख विगत 05 वर्षों का संतोषजनक हो, अर्थात प्रतिकूल वार्षिक संतव्य अंकित न हो, विगत 05 वर्षों में कभी सत्यनिष्ठा न रोकी गई हो।

**स्तम्भ-2**

**एतद्वारा प्रतिस्थापित परिशिष्ट**

प्रस्तर-3 सेवाभिलेख विगत 05 वर्षों का संतोषजनक हो, अर्थात प्रतिकूल वार्षिक संतव्य अंकित न हो, विगत 05 वर्षों में कभी सत्यनिष्ठा न रोकी गई हो, विगत 05 वर्षों में कोई दीर्घ दण्ड अथवा लघु दण्ड न मिला हो।

आज्ञा से

(नितेश कुमार झा)  
सचिव

**संख्या: 181 (1) / XX-7-2019-01(63)2016, तददिनांक:**

**परिशिष्ट निम्नलिखित को अनुरोध किया जाता है कि प्रति सहित सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-**

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड।
3. कार्यालय महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
4. समस्त जिला पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, मुद्रण लेखन सामग्री, रुड़की, हरिद्वार को इस आशय से प्रेषित कि उक्त अधिसूचना की 250 प्रतियां प्रकाशित कराते हुए शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
6. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय, प्रस्तर, उत्तराखण्ड को इस आशय के साथ कि उक्त अधिसूचना को राज्य सरकार की विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने का कष्ट करें।
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(पूजन गिरि)  
अनु सचिव